एम. ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2018–19

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घंटे **उत्तीर्णांक : 36** **पूर्णांक : 100**

इकाई – 1

1. विनय पत्रिका (उत्तरार्द्ध के 136–200 तक)– तुलसीदास

रामकाव्य परम्परा और तुलसी, तुलसी के राम का स्वरूप, तुलसी की भक्ति भावना, सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल की अवधारणा, काव्यदृष्टि, समन्वय, विनय पत्रिका में दर्शन, काव्यसौष्ठव, उद्‌देश्य ।

इकाई – 2

2. सूर सौरभ (प्रथम 50 छंद) – सं. डॉ. नन्द किशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर

सूर की भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन, शृंगार वर्णन, गीति योजना, सहृदयता और वाग्विदग्धता, प्रकृति चित्रण, अलंकार योजना, भाषासौष्ठव, काव्यकला, भ्रमरगीत परम्परा और उसमें सूर का स्थान, भ्रमरगीत का उद्‌देश्य, विशेषताएँ।

इकाई – 3

3. मीरा पदावली (प्रथम 50 छंद) – सं. शम्भूसिंह मनोहर

मीरा की भक्ति भावना, प्रेम साधना, गीति काव्य और मीरा, मीरा–काव्य में लोक तत्त्व, मीरा के आराध्य का स्वरूप, विरह भावना, मीरा काव्य में वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति, सौन्दर्य, निरूपण, काव्यसौष्ठव।

इकाई – 4

4. बिहारी (बिहारी रत्नाकर – प्रथम 100 दोहे) –

सतसई काव्य परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान, मुक्तक काव्य और बिहारी, बिहारी की बहुज्ञता, कल्पना की समाहार–शक्ति और भाषा की समास–शक्ति, रसयोजना, शृंगार वर्णन, प्रकृति चित्रण, अनुभाव वर्णन, सतसई में नीति, भक्ति और शृंगार, गागर में सागर, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 5

5. घनानन्द कवित्त (प्रथम 50 पद) – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

रीतिमुक्त काव्य धारा की विशेषताएँ, रीतिमुक्त काव्यधारा और उसमें घनानन्द का स्थान, प्रेमव्यंजना, भावसौन्दर्य, काव्यकला, विरहानुभूति, काव्यदृष्टि।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रत्येक इकाई से एक चुनते हुए व्याख्या संबंधी कुल 7 व्याख्या प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 व्याख्याओं को अनिवार्य रूप से हल करना होगा।
4. खंड स में पांचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	सभी 5 इकाइयों में से 7 व्याख्या संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों को हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएं –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ –

1. सूर की काव्य कला – डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली
2. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3. सूर और उनका साहित्य– हरिवंशलाल शर्मा
4. भक्ति आन्दोलन ओर सूरदास का काव्य – डॉ. मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
7. तुलसी और उनका युग – जयकिशन प्रसाद, रवीन्द्र प्रकाशन आगरा
8. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. मुंशीराम शर्मा, गंथम प्रकाशन, कानपुर
9. तुलसीदास–सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
11. भक्ति काव्य और भक्ति आंदोलन – शिवकुमार मिश्र
12. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन मन्दिर, आगरा
13. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी – डॉ. रामसागर त्रिपाठी
15. बिहारी – डॉ. रामदेव शुक्ल
16. बिहारी काव्य वैभव – डॉ. विजयपाल सिंह
17. मीरांबाई – कल्याणसिंह शेखावत
18. घनानन्द – डॉ. चन्द वर्मा, रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
19. घनानन्द का काव्य – रामदेव शुक्ल
20. रीतिकाव्य धारा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, डॉ. रामचन्द्र त्रिपाठी
21. घनानन्द का काव्य वैभव – डॉ. मनोहर लाल गौड़
22. मीरां : जीवन और काव्य – सी. एल. प्रभात
23 गोसांई तुलसीदास – विश्वनाथ मिश्र
24. बिहारी का मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह

25. सूर सौरभ – डॉ. नन्द किशोर आचार्य
26. घनानन्द काव्य और आलोचना – किशोरी लाल
27. हिन्दी के प्राचीन कवि – डॉ. विमल
28. मीरा माधव – डॉ. नन्द किशोर आचार्य